ISSN 2229-6751

RUMINATIONS

A Peer-Reviewed Bi-Annual International Journal for Analysis and Research in Humanities and Social Sciences

Abstracted & Indexed at- Ulrich, U.S.A.

Approved by: UGC, New Delhi, Sr. No. 1339, Jr. No. 49164

Vol. 10 No. 1 JUNE 2019

Website: ruminationssociety.com

IMPACT FACTOR : 5.25

Editor-In-Chief :
Dr. Ram Sharma

Members Editorial Board :
Dr. Elisabetta Marino,
(University di Roma, Italy)
Dr. Carolyn Heising,
(Iowa State University, Iowa, USA)
Dr. Andre Kukla,
(University of Totanto, Canada)
Dr. Diane M. Rousseau, USA
Dr. Alberto Testa, Argentina
Frank Joussen, Germany
Dr. M. Rajaram,
Government Arts College,
Karur, Tamil Nadu, India

ISSN 2229-6751

42. मुशहरी प्रखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र में "बाढ़" एक प्रमुख समस्या 353
– कुमारी स्वाति

43. स्वरोजगार नीति निर्धारण के सम्बन्ध में तृतीयक क्षेत्र उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र के सन्दर्भ में 358
– कपिल पाण्डे

44. भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का उच्च शिक्षा में स्थापन: पंडित मदन मोहन मालवीय का योगदान 364
– डा. अर्चना पाण्डेय

45. उत्तराखण्ड में जलसंचय एवं प्रबन्धन 369
– डा. आर.सी. भट्ट

46. संशय व सहयोग के मध्य भारत–चीन सम्बन्ध 374
– महेन्द्र कुमार पुरोहित

47. अमृतराय का सृजन-चिंतन 382
– डा. रंजना गुप्ता

48. मृत्युदंड का औचित्य, भारतीय कानून के संदर्भ में 387
– संजूलता

49. उत्तराखण्ड में नव बुद्धा (दलित महिला समाज की समस्यायें एवं चुनौतियां) 393
– राधा आर्या, डा. पुष्पेश पाण्डे

50. ध्रुपद गायकी की परम्परा का संक्षिप्त अवलोकन 400
– दिवाकर नारायण पाठक

51. स्वामी विवेकानन्द के दर्शन में नारी सशक्तीकरण के विविध आयाम 403
– डॉ. सुनील कुमार खेड़ा

52. हिन्दी पत्रकारिता के विकास में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान 410
– डॉ. सुशील उपाध्याय, डॉ. उमा शर्मा

53. भारत की विदेश नीति : नेहरू से नरेन्द्र मोदी तक 416
– मोहित कुमार

54. माध्यमिक स्तर के हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव : एक अध्ययन 423
– डॉ. सुनील कुमार सेन, विमला कुर्रे

55. The Quest 432
– Silpika Kalita

माध्यमिक स्तर के हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव : एक अध्ययन

डॉ. सुनील कुमार सेन
सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास (केन्द्रिय) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
विमला कुर्रे
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास (केन्द्रिय) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन में छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा जिले के विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत् 9वीं कक्षा के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना है। अध्ययन हेतु कोरबा जिले के शासकीय शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय के 30-30 विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिदर्श के आधार पर 420 विद्यार्थियों को अध्ययन में शामिल किया गया है। प्रदत्तों के संकलन, डॉ. रेखा गुप्ता द्वारा विकसित आत्मविश्वास मापनी एवं शैक्षणिक उपलब्धि के लिए विद्यार्थियों के पूर्व कक्षा के प्राप्तांकों को आधार बनाया बनाया गया है। शोध के निष्कर्ष निम्न प्रकार पाया गया है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षणिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं पाया गया है तथा विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव नहीं पाया गया है।

कुंजी शब्द – आत्मविश्वास, शैक्षणिक उपलब्धि, माध्यमिक स्तर

प्रस्तावना

बालकों के विकास क्रम में किशोरावस्था, बाल्यावस्था वयस्कावस्था के बीच पारगमन अवधि

होती है। किशोरावस्था जो कि 13 वर्ष की आयु से प्रारंभ होकर 19-20 साल की आयु तक की होती है। यह एक महत्वपूर्ण अवस्था है। 19वी शताब्दी के उत्तरार्द्ध में किए शोध के परिणाम स्वरूप किशोरावस्था को व्यक्ति के जीवन की मुख्य अवस्था के रूप में स्वीकार किया गया है। बाल्यावस्था में बालकों की समस्याओं का समाधान अंशतः शिक्षकों तथा माता-पिता द्वारा किया जाता है। क्योंकि समस्याओं का सही ढंग से समाधान करने की क्षमता उनमें नहीं होती है।

इसका परिणाम उनमें कुंठा, निराशा, अवसाद, स्वयं के प्रति विश्वास की कमी आदि का दुष्प्रभाव के रूप में परिलक्षित होती है। विद्यार्थियों द्वारा सकारात्मक पर चलना एवं सोचना श्रेष्ठता प्रदान नहीं करती है। बल्कि मस्तिष्क के कुशल, उत्कृष्ट संचालन से ही श्रेष्ठ बनते है। अपनी दक्षता और स्वयं को विषयानुसार ढालकर जीवन को सही दिशा की ओर निर्देशित कर हर अवस्था में स्वयं के प्रति विश्वास को प्रदर्शित करें। आत्मविश्वास गहरे मन में प्रस्थापित एक विशेष सोच है, जो मानसिक दृढ़ता और निश्चितता को दर्शाती है। इससे समस्त मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं को निश्चित आयाम एवं दिशा मिलती है। 'मैं कर लूंगा' 'मैं कर सकता हूं'। उपलब्धि के प्रति निश्चितता प्रदर्शित करता है। यह विश्वास अधिकतम संभावना बनाता है, कि इच्छित क्रिया कर सकते हैं या कर लेंगे। मस्तिष्क के लिए आत्मविश्वास आज्ञा अर्थात कमांड स्वरूप है, जिसके आधार पर यह समस्त चेतन एवं अवचेतन प्रक्रियाएं संपन्न कराता है।

आत्मविश्वास – आत्मविश्वास का वास्तविक अर्थ है अपनी आत्म सत्ता में विश्वास करना। जो अपनी आत्मा की अजेय सत्ता में विश्वास करता है। अपने जीवन के सार्थकता, महत्ता उपयोगिता को स्वीकार करता है।

बसवन्ना 1975 – "आत्मविश्वास किसी व्यक्ति की बाधाओं पर काबू पाने के लिए किसी भी स्थिति में कारगर ढंग से कार्य करने की क्षमता और सभी को ठीक करने के लिए कथित क्षमता का उल्लेख करता है।"

शैक्षणिक उपलब्धि

उपलब्धि का सामान्य अर्थ, व्यक्ति द्वारा किसी कार्य को पूरा करने पर प्राप्त सफलता का स्तर है। शैक्षणिक उपलब्धि से अभिप्राय, शैक्षणिक उपलब्धि की परिभाषा को सफलतापूर्वक पूरा करने व अध्ययन में सफलता प्राप्त करने की क्षमता के स्तर को संदर्भित करता है।

एनॉस्टसी 1961 – के अनुसार 'शैक्षणिक उपलब्धि विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त सफलता के स्तर का वह मूल्यांकन हैं जो विद्यार्थियों के शैक्षणिक निर्देशों को समझने के प्रयास एवं उनके स्तर व आयु के अनुसार निर्धारित पाठयक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति से अभिव्यक्त होता हैं, जिसका परिणाम उनके वार्षिक परीक्षा में किये गए कार्यों से मिलता हैं।

अध्ययन का औचित्य

वर्तमान अध्ययन में विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का उनके शैक्षणिक उपलब्धि पर प्रभाव

का स्तर उच्च व मध्यम व निम्न का उनके शैक्षणिक उपलब्धि के मध्यमानों में कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। व्याख्या एवं विवेचना उपरोक्त परिणाम के पक्ष में पूर्व में किये गये शोध अध्ययनों के द्वारा अनुभाविक समर्थन भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत है। जो कि निम्नलिखित है– श्रुति, सुथार (2016) घाओन्टा, ईशिता (2015) आर्यवेद (2014) जिन्होंने अपने अध्ययन में निष्कर्ष पाया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि पर उनके आत्मविश्वास का प्रभाव नहीं पाया गया है।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत अध्ययन माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से संबंधित है, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी किशोरावस्था की दहलीज में कदम रखते हैं। फलस्वरूप भविष्य में अन्य से बेहतर प्रदर्शन, प्रतियोगिताएं, चिंताएं, दिन में सपने देखना संवेगात्मक उथल-पुथल, व कल्पनाओं का क्षेत्र विस्तृत होता है। ऐसी स्थिति में उन्हें शिक्षा के क्षेत्र व व्यवसाय के क्षेत्र में सही दिशा प्रदान करना चाहिए। अन्यथा वे अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं। अध्ययन में यह बात स्पष्ट हो गई है कि आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव नहीं पाया गया है। उपरोक्त चरों का शैक्षिक निहितार्थ यही है, कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को परिवार, मित्रों तथा शिक्षकों द्वारा उचित दिशा प्रदान कर उनके आत्मविश्वास का स्तर को बढाया जा सकता है। जिसका परिणाम उनके शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक रूप से प्रभावित होगी। तथा अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकेंगे।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

तिवारी, प्रदीप कुमार (2017) – विद्यार्थियों के मानसिक दबाव एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन शोध पत्र, IFTM विश्वविद्यालय, लोधीपुर राजपूत, दिल्ली रोड मुरादाबाद उ.प्र. इन्टरनेशनल, एजुकेशन एण्ड रिसर्च, जर्नल IERJ ISSN. NO. 2454-9916,vol.3

श्रुति, सुथार (2016) – साइकोलॉजिकल वेलबिंग एण्ड सेल्फ कॉन्फिडेन्स एमंग एडोलसेन्सस Research paper Research Guru. Vol.10, ISSUE-3 [December-2016] [ISSN: 2349-266x] Page No. 57

सैनी, ईशिता (2015) – सेल्फ-कॉन्फिडेन्स ऑफ सीनियर सेकेण्डरी स्टुडेन्ट्स, ऑफ शिमला डिस्ट्रिक्ट Research, Article, International Journal of Recent Advances in Multidisciplinary Research, Vol. 2, ISSUE - 12, December, 2015 page No. 38

आर्या, वेद (2014) – माध्यमिक स्तर के उच्च एवं निम्न शैक्षणिक निष्पत्ति वाले छात्रों में आत्मविश्वास एवं अवधानकारी प्रवृत्तियों का समीक्षात्मक अध्ययन। पीएच.डी. शोध प्रबंध, शिक्षा विभाग, बी.बी.एस. पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, http://shodhganga.infilbnet.ac.in पृष्ठ संख्या 218